३. अपनी कमाई

I. प्रश्न उत्तर

प्र.१. धनी बाप का बेटा कैसा था ?

उ. धनी बाप का बेटा आलसी और आनन्द - प्रेमी था । वह बेपरवाह, दुर्बल और निर्लज्ज था । उसे परिश्रम करने का अभ्यास न था । वह हर कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर रहता था । वह मेहनत करके पैसे कमाना नहीं चाहता था । पिताजी ने कुछ कमा कर लाने के लिए कहा तो वह अपनी माता और बहन से रुपये माँग कर पिताजी को देता था । अन्त में उसे धन और कार्य का मूल्य मालूम हो गया ।

प्र.२. धनी बाप ने अपने बेटे से क्या कहा ? बेटे ने क्या किया ?

उ. धनी बाप ने एक दिन अपने आलसी और आनन्द - प्रेमी बेटे को बुलाया और कहा - " जा कर कुछ कमा ला, नहीं तो रात का भोजन नही मिलेगा। " धनी बाप के बेटे को परिश्रम करने का अभ्यास न था । वह सीधा अपनी माँ के पास गया और रोने लगा । माँ ने एक सोने की मोहर निकालकर बेटे को दे दी । रात को बाप के पूछने पर लड़के ने जेब से मोहर निकालकर बाप के सामने रख दी और उनके कहने पर कुएँ में फेंक दिया ।

प्र.३. धनी बाप के बेटे ने दुअन्नी कुएँ में फेंकने से क्यों इनकार किया ? सौ शब्दों में उत्तर दीजिए ।

या

" अपनी कमाई " कहानी का सारांश लिखिए ।

उ. " अपनी कमाई " कहानी के लेखक श्री सुदर्शन जी आदर्शवादी कहानीकार हैं । कहानी में लेखक ने परिश्रम के महत्व को बताया है ।

एक धनी बाप था । उसका बेटा आलसी, आनन्द - प्रेमी, दुर्बल और निर्लज्ज था । उसे मेहनत करने की आदत नहीं थी । वह हमेशा पैसों के लिये दूसरों पर निर्भर रहता था । धनी बाप उसे परिश्रमी बनाना चाहता था । एक दिन धनी बाप ने अपने आलसी बेटे से कहा कि जाकर कुछ कमा कर लाओ नही तो रात को भोजन नही मिलेगा । आलसी बेटा सीधा अपनी माँके पास जाकर रोने लगा । माँ ने अपने बेटे की आँखों में से आँसू और मुख पर चिंता के भाव देखकर उसे एक सोने की मोहर निकाल दे दी । रात होते ही वह मोहर ले जाकर बाप को देता है । बाप के कहने पर बेटा उस मोहर को कुएँ में फेंक देता है ।

दूसरे दिन बाप ने फिर कमाकर लाने के लिए कहा तब वह अपनी बहन के पास जाकर रोने लगा। बहन ने अपने सिंगारदान से एक रुपया निकालकर उसे दिया । बाप के कहने पर बहन द्वारा दिये गये रुपये को भी उसने कुएँ में फेंक दिया । अनुभवी बाप सब कुछ समझ गया और पत्नी को उसके मायके तथा बेटी को उसके ससुराल भेज दिया ।

तीसरे दिन बाप ने फिर कमाकर लाने के लिये कहा तो बेटा उदास हो गया । क्योंकि अब उसके सारे रास्ते बंद हो चुके थे । विवश होकर बाजार गया और एक सेठ की पेटी उठाकउसके घर पहुँचायी । जिससे सेठ ने उसे दुअन्नी दी । बेटे ने शाम को वह दुअन्नी अपने बाप कोदे दी । बाप ने जब उसे कुएँ में फेंकने के लिए कहा तो वह गुस्से से लाल हो गया । उसने दुअन्नी कुएँ में फेंकने से इंनकार कर दिया । अनुभवी बाप समझ गया और उसने अपना सारा कारोबार बेटे को सोंप दिया ।

प्र.४. " अपनी कमाई " नामक कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

उ. " अपनी कमाई " नामक कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि परिश्रम ही जीवन है । मनुष्य को अपने जीवन में लक्ष्य प्राप्त करना अति आवश्यक है । हमें आलसी, निर्लज्ञ, बेपरवाह और आनन्द - प्रेमी नहीं बनना चाहिए । हमें दूसरों की कमाई पर निर्भर नहीं रहना चाहिए । दूसरों के पैसों से मौज उड़ाना आसान है । किन्तु अपनी कमाई से मौज नहीं उड़ाता । उसे संभालकररखता है । क्योंकि वह परिश्रम से कमाया जाता है । मुफ्त में मिलनेवाले करोड़ों रुपयों से अपनी कमाई के चार पैसे भी अधिक मूल्यवान होते हैं ।

I. वाक्यों मे प्रयोग कीजिए ।

१. दुर्बल - कमजोर
बीमारी के कारण वह दुर्बल हो गया ।

२. अनुभवी - तजुर्बेकार
हमारे विद्यालय में सारे अध्यापक अनुभवी है ।

३. आलसी - सुस्त
मोहन आलसी लड़का है ।

II. निम्न वाक्यों को वर्तमान काल में बदलिए ।

१. लड़का बे - परवाह और निर्लज्ञ था ।

उ. लड़का बे - परवाह और निर्लज्ञ है ।

२. पाँव काँपते थे ।

उ. पाँव काँपते है ।

३. गर्दन और पीठ में दर्द होता था ।

उ. गर्दन और पीठ में दर्द होता है ।

III. निर्देश के अनुसार बदलिए ।

१. अनुभवी पिता सब कुछ समझ गया । **(रेखांकित शब्द का लिंग बदलकर लिखिए ।)**

उ. अनुभवी माता सब कुछ समझ गयी ।

२. बाप के पास जाकर रोने लगा । **(रेखांकित शब्द का लिंग बदलकर लिखिए ।)**

उ. माँ के पास जाकर रोने लगा ।

IV. विलोम शब्द लिखिए ।

१.	आलसी	X	परिश्रमी	७.	कमाना	X	खर्च करना
२.	निर्लज्ज	X	सलज्ज	८.	दुर्बल	X	सबल
३.	परवाह	X	बेपरवाह	९.	मायका	X	ससुराल
४.	धनी	X	निर्धन	१०.	चैन	X	बेचैन
५.	उदास	X	खुश	११.	खोलना	X	बंद करना

V. उपसर्ग अलग कीजिए ।

			उपसर्ग				उपसर्ग
१.	बे	-	परवाह	२.	परि	-	श्रम

VI. लिंग बदलो ।

१.	बेटा	-	बेटी	४.	पुरुष	-	स्त्री
२.	सेठ	-	सेठानी	५.	बाप	-	माँ
३.	भाई	-	बहन				

VII. प्रत्यय अलग कीजिए ।

			प्रत्यय				प्रत्यय
१.	आलसी	-	ई	४.	मजदूरी	-	ई
२.	तत्परता	-	ता	५.	ससुराल	-	आल
३.	धनी	-	ई				

VII. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - उत्तर ।

१. " अपनी कमाई " पाठ के कहानीकार कौन है ?

उ. " श्री सुदर्शन "

२. धनी बाप का बेटा कैसा था ?

उ. आलसी और आनन्द - प्रेमी ।

३. धनी बाप के बेटे को किसका अभ्यास न था ?

उ. परिश्रम करने का ।

४. बेटा पहली बार किसके पास गया ?

उ. माँ के पास।

५. बेटा दूसरी बार किसके पास गया ?

उ. बहन के पास।

६. माँ ने बेटे को क्या दिया ?

उ. सोने की मोहर ।

७. धनी बाप ने अपनी बेटी को कहाँ भेजा ?

उ. ससुराल

८. बाप ने सोने की मोहर को कहाँ फेंकने के लिए कहा ?

उ. कुएँ में ।

९. लड़के ने बाप की आज्ञा का पालन किस प्रकार किया ?

उ. तत्परता से ।

१०. लड़का सारा दिन कैसा था ?

उ. उदास

११. सेठ ने धनी बाप के बटे को क्या दिया ?

उ. दुअन्नी (दो आने)

१२. पेटी ढ़ोने के कारण धनी बाप के बेटे के सारे शरीर से क्या निकलने लगा?

उ. पसीना

१३. धनी बाप के बेटे ने दुअन्नी कैसे कमाई ?

उ. मजदूरी करके ।

१४. अनुभवी कौन था ?

उ. पिता

१५. लड़के की आँखों से क्या निकलने लगे ?

उ. क्रोध की ज्वाला ।

१६. अन्त में धनी बाप ने अपने बेटे को क्या सौंप दिया ?

उ. अपना सारा कारोबार ।

१७. '' अपनी कमाई '' कैसा पाठ है ?

उ. कहानी

१८. आज ..... क्या कमाया ?

उ. तुमने ।

१९. ला कुछ कमा जाकर । **(सही क्रम में लिखिए ।)**

उ. जाकर कुछ कमा ला ।

२०. बाप ने बेटे से रात को पूछा । **(सही क्रम में लिखिए ।)**

उ. रात को बाप ने बेटे से पूछा ।

***